प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – दसवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 15 तक में प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 16 से 20 तक में प्रत्येक का उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 21 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. उचित शब्दों का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. तुलसीदास के आराध्य देव.....थे।
   (राम/कृष्ण)
2. विद्वता की शोभा.....है।
   (ज्ञान/विनम्रता)
3. शबरी की कुटिया में.....आए थे।
   (गौतम बुद्ध/राम)
4. सूखी डाली एकांकी.....पृष्ठभूमि पर लिखा एकांकी है।
   (ऐतिहासिक/पारिवारिक)

5. जस शब्द का तत्सम रूप.....है।

(जैसा / यश)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :–

1. मीरा को कौन सा अमोलक धन मिला है?
2. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कौन सी पत्रिका का सम्पादन किया था?
3. जो स्मरण करने योग्य हो शब्द समूह के लिए एक शब्द बताइए।
4. नौ दो ग्यारह होना का क्या आथ्र होता है?
5. हास्य से कौन सा हार्मोन्स स्त्रावित होता है?

प्रश्न 3. स्तभ 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाने वाला स्थान	–	भाग्यवादी
(2)	पीड़ा को दुलारने वाला कहा गया है	–	पूर्ण विराम
(3)	कर्म के सौंदर्य से परिचित नहीं हो पाते	–	बहुज्ञ
(4)	अल्पज्ञ का विरूद्धार्थी शब्द	–	घनश्याम
(5)	वाक्य के पूरा होने पर प्रयोग किया जाता है–		कश्मीर

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य का चयन कीजिए –

1. अरविन्द ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इच्छा वाक्य है।
2. डायरी लेखक की निजी वस्तु होती है।
3. पृथ्वी और नारी दोनों को क्षमाशील कहा गया है।
4. दुष्यंत कुमार ने गजल लेखन में लोकप्रियता प्राप्त की है।
5. हल चलाने वाले स्वभाव से कठोर हो जाते है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) समास रचना प्रक्रिया में लोप हो जाता है –

(अ) शब्दों का (ब) विभक्तियों का

(स) वाक्यों का (द) विराम चिन्हों का

(2) भारत की सांस्कृतिक विविधता को माना जाता है –

(अ) समस्या के रूप में (ब) बोझ के रूप में

(स) सजावट के रूप में (द) सफलता के रूप में

(3) तुम वही दीपक बनोगे कविता सम्बोधित की गई है –

(अ) सैनिकों को (ब) शिक्षकों को

(स) मजदूरों को (द) युवा पीढ़ी को

(4) गोश्रीनगर भारत के राज्य में स्थित है –

(अ) मध्यप्रदेश (ब) कनार्टक

(स) केरल (द) गुजरात

(5) अमिता महारानी थी –

(अ) कलिंग की (ब) अजमेर की

(स) दिल्ली की (द) अवन्ति की

प्रश्न 6. मन के अंदर उग आए परदेश में पंक्ति में परदेश शब्द किस भाव की ओर संकेत करता है?

अथवा

तुम्हारी विरासत कविता में इसमें फूटेंगी सुबह की किरणें पंक्ति कवयित्री के किस दृष्टिकोण को प्रकट करती है।

प्रश्न 7. कवि दुष्यन्त कुमार को दुख में भी आशा की किरण कहां–कहां दिखाई दे रही है?

अथवा

वर्षा के आगमन पर धरती में क्या–क्या परिवर्तन होते है?

प्रश्न 8. कर्मवीर मनुष्य की विशेषताएं बताइए।

अथवा

''वह देश कौन सा है'' कविता में कवि ने भारत देश की कौन–कौन सी विशेषताएं बताई है?

प्रश्न 9. भूतकालीन साहित्य से हमें क्या ग्रहण करना चाहिए? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मनुष्य का साधारण जीवन श्रेष्ठता कब प्राप्त कर सकता है?

प्रश्न 10. प्रकृति परमात्मा का ही रूप है इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सूखी डाली एकांकी के माध्यम से संयुक्त परिवार की महत्ता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 11. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मुस्कुराना क्यों आवश्यक है?

अथवा

सादा जीवन उच्च विचार का जीवन में क्या महत्व है?

प्रश्न 12. रिपोर्ताज किसे कहते है? रिपोर्ताज की दो विशेषताएं बताते हुए दो रिपोर्ताज लेखकों के नाम लिखिए।

अथवा

निबंध की कोई एक परिभाषा लिखिए। भारतेन्दु युग के निबंधों की एक विशेषता, दो प्रमुख निबंधकार व उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

प्रश्न 13. (अ) निम्नलिखित मुहावरें का अर्थ बतातेहुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए– कोई दो।

1. अंधे की लाठी।
2. मिट्टी में मिलाना।
3. लोहा मानना।

(ब) लोकोक्ति किसे कहते है? कोई एक उदाहरण दीजिए।

अथवा

(अ) निम्न में से कोई दो वाक्य शुद्ध करके लिखिए।

1. मेरे पास अनेकों पुस्तकें है।
2. मुझे आटा पिसवाने जाना है।
3. एक फूल की माला लाओ।

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति सही वर्तनी चुनकर कीजिए।

1. माता–पिता हमारे.....होते है।

(पूजनीय / पूज्यनीय)

2. माता–पिता के.....से ही हम सफल होते है।

(आर्शीवाद / आशीर्वाद)

प्रश्न 14. (अ) निम्न शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. पानी।
2. फूल।

(ब) निम्न शब्दों के विरूद्धार्थी शब्द लिखिए।

1. उत्थान।
2. आदि।

अथवा

(अ) निम्न शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

1. कान

2. माप

(ब) निम्न शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

1. छत्र
2. कुम्भकार

प्रश्न 15. (अ) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाइए तथा समास का नाम भी लिखिए।

1. दश आनन है जिसके।
2. हाथ से लिखा

(ब) निम्नलिखित शब्दों की संधि विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए।

1. मतानुसार।
2. जगदीश।

अथवा

(अ) यथा निर्देश वाक्य परिवर्तन कीजिए।

1. कश्मीर बहुत सुंदर है। (विस्मयादिबोधक वाक्य)
2. तुम विद्यालय जाओ। (आज्ञावाचक वाक्य)

(ब) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए।

1. कृपया राह बताने की कृपा करें।
2. गाय और बैल घास चर रही है।

प्रश्न 16. ''संस्कृति का स्वरूप'' पाठ के आधार पर भारतीय संस्कृति की विशेषता लगभग 75 शब्दों में लिखिए।

अथवा

''प्रकृति परमात्मा का ही एक रूप है'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 17. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

जनम–जनम की पूंजी पाई, जग में सबे खोवायौ।
खरचे नहिं कोई चोर न लेवे, दिन–दिन बढ़त सवायौ।
सत की नाव खेवटिया सतगुरू, भवसागर तरि आयौ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरखि–हरखि जस गायौ।

अथवा

पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया,
शिक्षित किया सुधारा वह देश कौन सा है?
छोड़ा स्वराज्य तृणवत, आदेश केपिता के,
श्रीराम थे जहां पर, वह देश कौन सा है?

प्रश्न 18. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वृक्ष धरती के श्रंगार है। सभी वृक्ष मरने से पहले संतान छोड़ जाने के लिए व्यग्र है। बीज ही गाछ–बिरछ की संतान है। बीज की सुरक्षा व सार–संभार के लिए पेड़ फूल की पंखुड़ियों से घिरा एक छोटा सा घर तैयार करता है। फूलों से आच्छादित होने पर पेड़ कितना सुंदर दिखलाई पड़ता है। जैसे फूल–फूल के बहाने वह स्वयं हंस रहा हो। सोचने में कितना सुंदर लगता है कि गाछ–विरछ तो मटमैली माटी से आहार व विषाक्त वायु से अंगारक ग्रहण करते है, फिर इस अरूप उपादान से किस तरह ऐसे सुंदर फूल प्रदान करते है। ये फूल प्रकृति का मानव मात्र पर स्नेह बरसाने का साधन है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. गद्यांश में प्रयुक्त निम्न शब्दों के विलोम लिखिए।

सुंदर, स्नेह।

प्रश्न 3. प्रकृति का मनुष्य पर स्नेह बरसाने का साधन कौन सा है? बदले में वृक्ष प्रकृति से क्या लेते है।

प्रश्न 19. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह,
नदियों के पानी का जादू है वह,
हाथों के स्पर्श की महिमा है,
चूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण धर्म है,
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का।

प्रश्न 1. फसल पर किसका जादू चलता है?

प्रश्न 2. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 3. इस पद्यांश में कवि ने फसल के लिए किसके हाथों के स्पर्श की महिमा बताई है? फसल किसकी किरणों का रूपांतर है?

प्रश्न 20. अपने मित्र को उसके जन्म दिवस पर बधाई पत्र लिखिए।

अथवा

बुक बैंक से पुस्तके प्राप्त करने के लिए प्राचार्य महोदय को पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 से 300 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. वन संरक्षण – महत्व एवं उपयुक्ता।
2. कम्प्यूटर आज के जीवन की आवश्यकता।
3. जल ही जीवन है।
4. मेरा प्रिय मित्र।
5. आतंकवाद की समस्या।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – दसवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. राम
2. विनम्रता
3. राम
4. पारिवारिक
5. यश

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. एक वाक्य में उत्तर –

1. राम नाम।
2. सरस्वती।
3. स्मरणीय।
4. भाग जाना।
5. कोरेलामिन्स।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सही जोडियां बनाना –

	क		**ख**
(1)	पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाने वाला स्थान	–	कश्मीर
(2)	पीड़ा को दुलारने वाला कहा गया है	–	घनश्याम
(3)	कर्म के सौंदर्य से परिचित नहीं हो पाते	–	भाग्यवादी

(4) अल्पज्ञ का विरूद्धार्थी शब्द – बहुज्ञ

(5) वाक्य के पूरा होने पर प्रयोग किया जाता है– पूर्ण विराम

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सत्य/असत्य का चयन –

(1) असत्य।

(2) सत्य।

(3) सत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. सही विकल्प का चयन –

1. विभक्तियों का।
2. सजावट के रूप में।
3. युवा पीढ़ी को।
4. केरल।
5. कलिंग की।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. कवयित्री ने परदेश शब्द का प्रयोग जीवन के सूनेपन, अकेलेपन को व्यक्त करने के लिए किया है। जिस प्रकार परदेश में सभी अपरिचित होते है। कोई साथी नहीं होता। अकेलेपन की अनुभूति होती है। इसी प्रकार इसी भाव को व्यक्त करने के लिए कवयित्री ने मन के अंदर उग आए परदेश के माध्यम से मन के सूनेपन की व्यथा को व्यक्त किया है, जहां किसी परिचित का आगमन नहीं है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

फूटेगी सुबह की किरणें, पंक्ति में किरणें शब्द प्रतीक रूप में लिखा गया है। जिस प्रकार प्रातःकालीन किरणें अंधकार को भेद कर नए जीवन नई चेतना, नई ऊर्जा का सन्देश देती है उसी प्रकार कवयित्री स्मृतियों को सजाती है। अपनी यादों के द्वारा जीवन में नए उत्साह, नई उमंग और नवीनता को ले जाने वाले विचारों के रूप में किरणों का स्वागत करना चाहती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. कवि दुष्यंत कुमार ने संकेतों के माध्यम से प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़ने के लिए अनुकूल मार्ग ढूंढ लिए हैं। कवि को जीवन की लहरों से टकराती नाव के लिए ठंडी हवा अर्थात जीवन को प्रेरणा देने वाले तत्व, अंधेरे से लड़ने के लिए तेल में भीगी बाती अर्थात घनघोर निराशा के क्षणों में विरोध की हल्की सी झलक आशा की किरण के रूप में दिखाई देती है। चाहे सारे नगर में अंधेरा हो किंतु उस मार्ग को कवि ने खोज लिया है जो उन्हें सुबह तक ले जाएगा। अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति अपने हौसले, अपनी ताकत में कवि ने आशा की किरणों को खोज लिया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वर्षा के आगमन से होने वाले परिवर्तन मुरझाई धरती खिल कर हरी भरी हो जाती है। मधुवन महक उठते है। झूलों पर सावन के गीत गाये जाने लगते है। पेड़ों पर नये पत्ते आ जाते है। बाग धने होने लगते है। चारों ओर सुख आनन्द का वातावरण बन जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. कर्मवीर मनुष्य के मार्ग में ऊंचे–ऊंचे पर्वत, घने वन, सागर की गरजती लहरें, आग की चारों दिशाओं से उठती लपटें आदि बाधाएं आती है, जो उन्हें उनके

कर्मपथ से गिडा नहीं पाती। काम में कठिनाई और विघ्न बाधाओं का वे उठकर मुकाबला करते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत वर्ष की विशेषता बताते हुए कवि रामनरेश त्रिपाठी कहतेहैं कि भारत प्रकृति की सुरम्य गोद में बसा है। स्वर्ग का सुख यहां पर है। भारत जिसके पांव सागर पखारता है तथा मुकुट के रूप में हिमालय जगमगा रहा है। रसीले, फलों, अमृतमय जल, सुंदर फूलों से सजा ये भारत देश है। जहां मैदान, पर्वत, वन हरियालियों से लहक रहे हैं अनन्त धनराशि जिसके गर्भ में छुपी है वह संसार का शिरोमणि देश भारत ही है। जिसने विश्व को ज्ञान देकर जगाया जहां राम जैसे आदर्श पुत्र भरत–लक्षण जैसे आदर्श भाई हुए, जहां निष्पक्ष न्यायाधीश हुए वह हमारा भारत वर्ष ही है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. भूतकालीन साहित्य से हमें आत्मत्याग और मानसेवा का सबक लेना होगा। हमें अपनी कला में से आध्यात्म भावों को, प्रष्ठिता और सौन्दर्य विधान के अभिप्रायः को स्वीकार करना चाहिए। अतः साहित्य इसमें सहायक सिद्ध हो सकेगा। भूतकालीन साहित्य खाद बनकर हमारे वर्तमान को उपजाऊ बना देगा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मनुष्य श्रेष्ठता को तभी प्राप्त करता है जब उसका प्रत्येक कर्म दूसरों को समर्पित हो। परस्पर निष्कपट सेवा से मनुष्य जाति का कल्याण होता है मनुष्य तब श्रेष्ठ बनता है। जब वह धन, ऐश्वर्य, बल पराक्रम का दिखावा छोड़कर स्वयं

के श्रम पर विश्वास करें और अतःकरण की कोमलता को अपने विचारों अपने कर्मों में स्थान दें।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. प्रकृति परमात्मा का रूप है। जिस प्रकार हमें कोई शारीरिक कष्ट पहुंचाए तो हमें और हमारी आत्मा को क्लेश होता है उसी प्रकार यदि धरती के साथ भी जैसा व्यवहार किया जाएगा हमें भी वही प्रतिदान मिलेगा। पृथ्वी जड़ नहीं चैतन्य है। धरती को नदी, पहाड़, तालाब, समुद्र भार नहीं लगते किंतु प्रकृति के नियमों के विपरीत चलने वाला भार समान लगता है। पर्यावरण संरक्षण प्रकृति के परमात्मा रूप को पूजने का साधन है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सूखी डाली एकांकी के माध्यम से एकांकीकार ने संयुक्त परिवार की महत्ता बताई है। जिस प्रकार विशाल हरा–भरा वट वृक्ष अपनी शाखाओं प्रशाखाओं में पूर्ण होता है, विभिन्न प्राणियों, पक्षियों का आश्रय स्थल होता है जहां हर सदस्य फलता फूलता है। कोई शाखा यदि वृक्ष से टूटकर अलग हो जाए तो सूख जाती है उसी तरह संयुक्त परिवार से अलग सदस्य पनप नहीं पाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. हंसना–मुस्कुराना, खिलखिलाना शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन का स्वर्णिम सूत्र है। हंसने से मानसिक तनाव दूर होते हैं। हमारी हंसी से जग हंसता है और दुर्भावनाएं मलिनताएं दूर होती है आपसी सम्बन्ध सरस विश्वसनीय और सुदृढ़ होते हैं जो कि सामाजिक जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जीवन में सादगी होने पर व्यक्ति दिखावा नहीं करता। सादगीपूर्ण जीवन देखा देखी में नही पड़ता इस कारण ईर्ष्या, द्वेष आदि विकार मन में नहीं आते। हमारा रहन–सहन हमारे आचरण को प्रभावित करता है। सादगी से शांति, प्रेम का भी गहरा संबंध है दिखावा तनाव देता है जबकि सादगी मन में शुद्ध विचारों को जन्म देकर विचारवान और विवेकशील बनती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. रिपोतार्ज फ्रांसीसी शब्द है जिसका अंग्रेजी शब्द रिपोर्ट से निकट संबंध है। किसी घटना के वास्तविक वर्णन को रिपोर्ताज कहा जाता है। आंखों देखी घटनाओं पर ही रिपोर्ताज की रचना संभव है इसका जन्म वास्तव में पत्रकारिता के साथ साहित्य के संयोग से हुआ। रिपोर्ताज लेखक वास्तविक घटनाओं को कल्पना की मदद से रोचकता से प्रस्तुत करता है। उसमें पत्रकार के गुण उसे सफल रिपोर्ताज के रूप में स्थापित करने में मददगार होते है।

विशेषता –

1. इसकी शैली में वर्णनात्मक होती है।
2. सरलता, रोचकता, आत्मीयता आदि का इसमें विशेष महत्व है।

लेखक–

1. धर्मवीर भारती,
2. रांगेयराघव,
3. कमलेश्वर,
4. विष्णु प्रभाकर,
5. निर्मल वर्मा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

निबंध की परिभाषा –

रामचन्द्र शुक्ल– यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबंध गद्य की कसौटी। अन्य परिभाषाएं भी दी जा सकती है। भारतेन्दु युग के निबंधों में समाज सुधार की भावना राजनीतिक चेतना हास्य व्यंग्य की प्रधानता मिलती है। प्रमुख निबंधकार –

1. प्रतापनारायण मिश्र – भौ, धोखा, दांत आदि रचनाएं है।
2. बालकृष्ण भट्ट – भट्ट निबंधावली, चन्द्रोदय आदि।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) मुहावरों का अर्थ –

1. अंधे की लाठी – एकमात्र सहारा।
   प्रयोग– आशीष अपने पिता की देखभाल करता है। भाई की मृत्यु के बाद वही अपने पिता के लिये अंधे की लाठी है।
2. मिट्टी में मिलना – बार्बद करना।
   प्रयोग– चोरी करते रंगे हाथ पकड़े जाकर विनोद ने अपने पिता की इज्जत मिट्टी में मिला दी।
3. लोहा मानना – श्रेष्ठता स्वीकार करना।
   प्रयोग– विदूषी राधा के तर्क सुनकर सभी ने उसकी तर्क शक्ति का लोहा मान लिया।

(ब) लोक में प्रचलित उक्ति को लोकोक्ति कहते है।

कोई एक उदाहरण छात्र स्वविवेक से लिखे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

अथवा

(अ) वाक्य शुद्धिकरण –

1. मेरे पास अनेक पुस्तकें है।
2. मुझे अनाज पिसवाने जाना है।
3. फूलों की एक माला लाओं।

(ब) सही वर्तनी –

1. पूजनीय।
2. आशीर्वाद।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 14. (अ) पर्यायवाची शब्द –

1. पानी – जल, नीर।
2. फूल – पुष्प, कुसुम।

(ब) विरूद्धार्थी शब्द –

1. उत्थान – पतन
2. आदि – अंत

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

अथवा

(अ) तत्सम रूप –

1. कर्ण।
2. वाष्प।

(ब) तद्भव शब्द –

1. छाता
2. कुम्हार।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 15. (अ) विग्रहों के समस्त पद –

1. दश आनन है जिसके अर्थात रावण – बहुब्रिही समास।
2. हाथ से लिखा हस्तलिखित – तत्पुरूष समास।

(ब) संधि विच्छेद –

1. अ+अ = आ = मत+अनुसार = मतानुसार – दीर्घ संधि।
2. जगत्+ईश = जगदीश – व्यंजन संधि।

अथवा

(अ) वाक्य परिवर्तन –

1. वाह! कश्मीर बहुत सुंदर है।
2. तुम विद्यालय जाओ।

(ब) वाक्य शुद्ध करना –

1. कृपया राह बताएं अथवा राह बताने की कृपा करें।
2. गाय और बैल घास चर रहे हैं।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4)

उत्तर 16. भारतीय संस्कृति के बारे में विद्यार्थी अपने विवेकानुसार उत्तर देंगे। जैसे– अलग–अलग प्रांतों के रीति–रिवाज, खान–पान, रहन–सहन, बोली, वेश–भूषा आदि की विभिन्नता पर प्रकाश डालेंगे। भारतीय इतिहास धर्म आदि में भी समरूपता है। पौराणिक लोकनायक जैसे राम, कृष्ण, बुद्ध, गुरू नानक के उपदेशों में समानता तथा समाज सुधारक राजा राम मोहन राय, गोविन्द रानाडे आदि के उल्लेख से छात्र भारतीय सामाजिक परिवर्तनों और उनके परवर्ती प्रभावों को स्पष्ट करेंगे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

''प्रकृति परमात्मा का ही रूप है'' प्रसंग में प्रकृति के महत्व को सामने लाने का प्रयास किया गया है। इस प्रसंग के द्वारा प्रकृति को ईश्वर का ही दूसरा रूप कहा गया है। मानव सृष्टि का ही एक अंश है और जब मानव जड़ चेतन से अपना तादात्म्य स्थापित कर लेता है तब उसका जीवन सार्थक होता है।

पृथ्वी ने स्वयं कहा कि मुझे पहाड़, तालाब, नदियां, समुद्र आदि का बोझ नहीं मालूम पड़ता, किन्तु जब मेरे ऊपर परद्रोही यानी मेरे नियमों के विपरीत चलने वाले पैदा होते है तो मुझे उनका भार अत्यधिक मालूम पड़ता है। भूमि पूजन मात्र एक कर्मकाण्ड नहीं, यह सतत् चलते रहना चाहिए। कभी वृक्षारोपण के रूप में, कभी पर्यावरण संरक्षण के रूप में। प्रकृति को मान दे तो वह आपको सम्मान देगी क्योंकि प्रकृति परमात्मा का ही एक रूप है यह पूजनीय है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

पाठः– मीरा के पद।

कवयित्रीः– मीराबाई।

मूलभाव :– कृष्ण के प्रति समर्पित, भक्तिभाव में विभोर होकर मीराबाई ने कृष्ण की भक्ति को अमूल्य बताते हुए उसे सांसारिक धन से श्रेष्ठ माना है। सांसारिक धन खो सकता है। खर्च हो जाता है किंतु भक्ति रूपी धन श्रेष्ठ है, वह दिन पर दिन बढ़ता जाता है। ईश्वर भक्ति रूपी धन को न तो चोर चुरा सकता है और न ही वह गंवाया जाता है। दिन–प्रतिदिन उसमें वृद्धि होती जातीहै। सत्य रूपी नैया को देखने वाले, पार लगाने वाले सतगुरू ही है जिनकी कृपा से मीरा सांसारिक सागर को पार कर सकती है। केवल गिरधारी कृष्ण ही उनके आराध्य है, जिनका वे हर्षित होते हुए गुणगान कर अपना जीवन सफल करती है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–3 कुल 5 अंक)

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

पाठः– वह देश कौन सा है?

कविः– रामनरेश त्रिपाठी।

मूलभाव :– भारत भूमि की वन्दना करते हुए कवि ने भारत को ज्ञान का उपहार देने वाला कहा है। भारत ही वह देश है जिसमें अज्ञानता से विश्व को जगाया, शिक्षित किया, सुधारा तथा राम के आदर्श को सामने रखते हुए आदर्श पुत्र, आदर्श राजा का उदाहरण विश्व के सामने जिसने रखा वह देश भारत ही है।

(संदर्भ–1, प्रसंग–1, व्याख्या–3 कुल 5 अंक)

उत्तर 18. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. गद्यांश का सटीक शीर्षक – धरती के श्रृंगार वृक्ष या इससे मिलते जुलते शीर्षक दिए जा सकते है।

उत्तर 2. विलोम शब्द – कुरूप, घृणा/द्वेष।

उत्तर 3. सुंदर फूल स्नेह बरसाने का साधन है। बदले में वृक्ष माटी से आहार और विषाक्त वायु लेते है।

5 अंक

उत्तर 19. अपठित गद्यांश के उत्तर :–

उत्तर 1. नदियों के पानी का जादू।

उत्तर 2. पद्यांश का उपुर्यक्त शीर्षक ''फसल'' अथवा अन्य कोई शीर्षक हो सकता है।

उत्तर 3. फसल सूरज की किरणों का रूपांतरण है।

5 अंक

उत्तर 20.

<u>बधाई पत्र</u>

अमूल्य सिंह सोलंकी

238, बांसवाड़ा,

राजस्थान

दिनांक 21.10.2011

प्रिय अक्षय,

जन्मदिन की बहुत–बहुत बधाई। तुम्हारे जीवन का यह अठारहवां साल उमंग, मस्ती, प्रेम और सफलता से भरा पूरा हो। तुम जीवन की उंचाईयों को छुओं। मैं तुम्हारे जन्मदिन के अवसर पर तुम्हारे पास आना चाहता था किन्तु कुछ पारिवारिक कार्य आ जाने के कारण नहीं आ सका अतः क्षमाप्रार्थी हूँ।

एक बार पुनः मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करों

तुम्हारा मित्र

अमूल्य

संबोधन 1 अंक, विषयवस्तु मध्य 3 अंक, समापन 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्राचार्य महोदय,

चौइथराम फाउण्टेन हा.से. स्कूल,

श्रीराम तलावली धार रोड़, इन्दौर

विषय :– बुक बैंक से पुस्तकें प्रदान करने संबंधी।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैं कुमारी शिवानी देवराज सोनी कक्षा दसवीं 'अ' की छात्रा हूँ। मेरे पिताजी एक किसान है और परिवार में हम सात सदस्य है खेती के अतिरिक्त आय का कोई साधन नहीं है। अपने अध्ययन को सुचारू बनाने के लिए आवश्यक पुस्तके क्रय करने में समर्थ नहीं हूँ।

अतः महोदय से विनम्र प्रार्थना है कि मुझे शालेय बुक बैंक से कक्षा दसवीं की समस्त पाठ्यपुस्तकें दिलाने की कृपा करें, जिससे मैं अपना अध्ययन जारी रख सकूं। सहयोग की अपेक्षा में।

आपकी आज्ञाकारी शिष्या
शिवानी सोनी
कक्षा–X

संबोधन 1 अंक, विषयवस्तु मध्य 3 अंक, समापन 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. **निबंध लेखन –**

वन सरंक्षण : महत्व एवं उपयुक्ता

भूमिका :– मानव जीवन प्रकृति पर आश्रित है। प्रकृति का किंचित मात्र भी भूभ्रंग मानव के लिये दुःखदायी हो जाता है और प्रकृति की असीम सम्पदा मानव के स्थान की अत्यावश्यक कड़ी है इस प्राकृतिक सम्पदा से वनों का अपना अलग महत्व है इनकी उपयोगिता और महत्व किसी से छिपा नहीं हैं।

वन संरक्षण क्यों :– वनों से लाभ और उनके महत्व को ध्यान में रखकर वनों के संरक्षण पर बल दिया जाता है। वनों से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष दोनों ही प्रकार के लाभ हैं। वन आर्थिक सम्पदा के मुख्यत स्त्रोत हैं और देश की अर्थव्यवस्था वनों के कच्चे माल पर निर्भर रहती है। वन आक्रमणकारियों से सुरक्षा का कार्य भी करते है। यद्यपि आधुनिक अस्त्रों ने युद्ध की स्थिति बदल दी है परंतु पहले यह मान्यता थी कि वह आक्रमणकारियों से हमारी रक्षा करते हैं। आधुनिक युग में भी हवाई हमलों से बचने हेतु बंकर या खाई बहुधा वनों में ही बनाई जाती थी।

भारत और वन संरक्षण :– वन रूपी प्राकृतिक सम्पदा भारत में विशेष रूप से उपलब्ध है और अति प्राचीन काल से यहां से उपयुक्तता को स्वीकार किया जा रहा है। स्वतंत्रता के बाद वन संरक्षण के महत्व को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गये। भारतीय वन एक जगह पर सामूहिक रूप से नहीं पाये जाते हैं। इसलिए इनको विकसित करने में प्रशासन को कठिनाई का अनुभव होता है। सरकार ने इस ओर भी ध्यान दिया। देश में वन विज्ञान की शिक्षा की व्यवस्था की गई और पंचवर्षीय योजना में वनों के विकास हेतु योजनाएं बनाई गई।

वन संरक्षण हेतु सुझाव :– वन संरक्षण इस देश के लिये अत्यंत लाभदायक है और इस हेतु जनता को जागरूक बनाया जाना चाहिए। योजना आयोग के अनुसार वृक्षारोपण को सफल बनाने के लिये राष्ट्र को वन–मस्तिष्कीय बनाना आवश्यक है। नागरिकों को आर्थिक और तकनीकी सहायता दी जानी चाहिए। देश में वृक्षारोपण के कार्य की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। जलाने की लकड़ी वन–संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत घातक है। बहुत से लोग वनों से लकड़ी काटते है और उन्हें ईधन के रूप में जलाते हैं इससे वनों में क्षति होती है।

उपसंहार :– वन सरंक्षण के कार्यक्रम और वनों को बढ़ाने के कार्यक्रम दोनों ही इस देश के लिये अत्यंत लाभदायक हैं। इस क्षेत्र में कुछ कार्य किये गये हैं। आवश्यकता इस बात की है कि अधिक से अधिक वृक्षों को लगाया जाए और जो वन उपलब्ध हैं उनके संरक्षण का विशेष रूप से प्रयास किया जाए। अनेक ऐसे कानून बनाये गये है, जिनके फलस्वरूप वनों को क्षति पहुंचाना दण्डनीय अपराध माना जाता है। हमारे देश की अर्थ व्यवस्था बहुत कुछ वनों के संरक्षण पर निर्भर करती है। इसलिए हम सबका कर्तव्य है कि हम वन संरक्षण कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दें। इस दिशा में सरकार और जनता को मिल जुल कर कार्य करना होगा तभी हम अपने देश के आर्थिक विकास में वनों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे।

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक।
उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – –